भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
दैनिक जागरण
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)
दिनांक : 10.05.2019

सौगात 42 करोड़ की लागत से तैयार हॉस्टल इसी सत्र से होगा आवंटित, लंबे समय से छात्रावास की कमी से जूझ रहा था आइआइटी-बीएचयू

730 छात्राओं को ठौर देगा आइआइटी का न्यू गर्ल्स हास्टल

मुहम्मद रईस ● वाराणसी

आइआइटी, बीएचयू स्थित गांधी स्मृति महिला छात्रावास (ओल्ड) के ठीक बगल में बन रहे 'न्यू गर्ल्स हास्टल' का कार्य अंतिम चरण में है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस हास्टल का आवंटन मौजूदा सत्र से होगा।

आइआइटी में लंबे समय से हास्टल की समस्या बनी हुई थी। मजबूरी में कई ब्वायज हास्टल को खाली कराकर गर्ल्स हास्टल में तब्दील किया गया था। इस कारण अन्य ब्वायज हास्टल दुर्दशा के शिकार थे। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान में पढ़ने की लालसा या फिर करियर बनाने की मजबूरी, एक छोटे से कमरे में तीन से चार छात्र रहने को विवश थे। हर पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष कुछ न कुछ सीटों की बढ़ोत्तरी की जा रही है। जल्द ही एक बार फिर एडमिशन का दौर शुरू होगा। मगर इस बार आवासीय समस्या का समाधान 'न्यू गर्ल्स हास्टल' करेगा।

दिव्यांगों के लिए विशेष व्यवस्था : आइडब्ल्यूडी के चेयरमैन प्रो. राजेश

निर्माणाधीन न्यू गर्ल्स हॉस्टल

कुमार के अनुसार करीब 42 करोड़ रुपये की लागत से इस हास्टल का निर्माण दिसंबर 2016 में शुरू हुआ था। इस हास्टल में छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त 365 कमरे हैं। प्रत्येक कमरे में दो छात्राओं के रहने की व्यवस्था है, यानी हास्टल में कुल 730 छात्राएं रह सकेंगी।

ग्राउंड फ्लोर सहित छह मंजिला भवन के प्रत्येक फ्लोर पर दिव्यांग छात्राओं के लिए वाशरूम विशेष तरीके से डिजाइन किए गए हैं। साथ ही सहूलियत के लिए लिफ्ट भी लगाई गई है।

पार्किंग के लिए नहीं भटकना होगा : न्यू गर्ल्स हास्टल आधुनिक सुविधाओं से लैस है। मेस, लाइब्रेरी, जिम आदि की व्यवस्था ग्राउंड फ्लोर पर ही है। वहीं प्रत्येक फ्लोर पर छात्राओं की एक्टिविटी के लिए स्पेश एरिया भी रखा गया है। इंटरनेट की सुविधा, हर कमरे के आगे बालकनी के साथ ही साइकिल पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

आइआइटी-बीएचयू के हॉस्टल : सीवी रमन, मोर्वी, धनराजगिरी, राजपुताना, लिम्बडी, एससी डे, विवेकानंद, विश्वकर्मा, विश्वेश्वरैया, आर्यभट्ट-1, आर्यभट्ट-2, प्रो. एसएन बोस, डा. रमानुजन, आइआइटी गर्ल्स, गांधी स्मृति महिला छात्रावास ओल्ड व गांधी स्मृति महिला छात्रावास एक्सटेंशन।

15 तक छात्रावास खाली करने का अल्टीमेटम

जासं, वाराणसी : महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ प्रशासन ने छात्रों को 15 मई तक छात्रावास खाली करने का अल्टीमेटम दिया है। शोधार्थियों से भी नोटिस जारी कर निर्धारित अवधि में लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास को खाली करने का निर्देश दिया गया है। वहीं अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है। इसे लेकर शोधार्थियों में रोष है।

शोधार्थियों ने इस संबंध में कुलपति को पत्रक भी दिया है। इसमें कहा गया है कि शोध छात्रों को पंजीकरण की तिथि से दो वर्षों या शोध प्रबंध जमा करने की तिथि (जो भी पहले हो) तक के लिए छात्रावास आवंटन किया गया है। छात्रावास नियमावली में इस बात का उल्लेख भी है। नियमानुसार दो वर्ष बाद ही शोध छात्रों से छात्रावास खाली कराया जा सकता है।

काशी विद्यापीठ

- शोधार्थियों में रोष, कुलपति को सौंपा पत्रक, दिया नियमों का हवाला
- नियमानुसार दो वर्ष बाद खाली कराया जाता है छात्रावास

पुनः विचार करने का किया अनुरोध : तीन माह के लिए छात्रावास खाली कराने से शोध कार्य प्रभावित होने की संभावना है। दूसरी ओर दी बनारस बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री नित्यानंद राय (एडवोकेट) ने भी विद्यापीठ प्रशासन से इस निर्णय पर पुनः विचार करने का अनुरोध किया है। उधर चीफ वार्डेन डा. सूर्यभान प्रसाद ने कहा कि पहले शोधार्थियों को दो वर्ष के लिए शोध छात्रावास आवंटित किए जाते थे। वर्तमान में शोध छात्रावास बंद है। यूजी-पीजी के छात्रों के साथ शोधार्थियों को भी लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास आवंटित किया गया है।